11 जनवरी, 2010 को गैबोरोन, बोत्स्वाना में भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री मो. हामिद अंसारी का अभिभाषण

आज की शाम यहां आकर और आप सब से मिलकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। इस मित्र देश में हमारे आगमन से ही बोत्स्वाना की सरकार और यहां की जनता ने जिस गर्मजोशी से हमारा स्वागत और आतिथि सत्कार किया है उसका मेरी पत्नी और मैंने भरपूर आनंद उठाया है।

भारत और बोत्स्वाना के बीच पुराने और घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंध रहे हैं जो कई दशक पहले से चले आ रहे हैं। लोकतंत्र, विधि सम्मत शासन और मानवाधिकारों के सम्मान के प्रति दोनों देशों की समान और चिरस्थायी प्रतिबद्धता है। हमारे सभी नागरिकों की विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने और उनकी क्षमताओं को विकसित करने के अवसर उपलब्ध कराने में आने वाली चुनौतियां भी एक-समान हैं।

भारत गत वर्ष अप्रैल में नई दिल्ली में सम्पन्न भारत-अफ्रीका मंच के प्रथम शिखर सम्मेलन में हमारे नेताओं द्वारा स्वीकृत सहयोग की योजना के अनुरूप आर्थिक विविधीकरण एवं आर्थिक विकास के लिए बोत्स्वाना के प्रयासों में इसका साझेदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है। इस साझेदारी में क्षमता निर्माण, कृषि, हीरा उद्योग, अवरसंरचना विकास, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।

बोत्स्वाना एक्स्पोर्ट डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट अथारिटी (बी ई डी आई ए) तथा बोत्स्वाना कनफेडरेशन ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड मैनपावर (बी ओ सी सी आई एम) के साथ मिलकर विभिन्न भारतीय व्यापार संवर्धन परिषदों तथा वाणिज्य और उद्योग संघों

द्वारा किए गए प्रयासों से संयुक्त उद्यमों की स्थापना तथा निवेश के अवसरों एवं द्विपक्षीय व्यापार की संभावनाओं में वृद्धि हुई है।

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था से भारतीय उद्यमियों को बोत्स्वाना में, जहां खनिजों का विशाल भंडार है, निवेश करने का बेहतर अवसर प्राप्त हुआ है। आइए, हम इस अवसर का सदुपयोग द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्य को और सुदृढ़ बनाने में करें।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कई प्रवासी भारतीयों ने बोत्स्वाना के विकास में व्यापक योगदान दिया है। आपके कठोर परिश्रम, कर्मठता और प्रतिभा को पर्याप्त ख्याति मिली है। आपकी उपलब्धियां और आपके नेक कार्य हमारे लिए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का स्त्रोत हैं।

हम बोत्स्वाना में रह रहे प्रवासी भारतीयों सहित सम्पूर्ण प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ अपने संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए उत्सुक हैं। भारत सरकार ने प्रवासी भारतीयों के कल्याण के लिए अपने प्रयासों को कार्यान्वित करने के लिए नोडल मंत्रालय के रूप में प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय का सृजन किया है।

अपनी इस यात्रा के दौरान मेरा अत्यंत गर्मजोशी एवं स्नेह से स्वागत किया गया। मुझे, मेरी पत्नी एवं मेरे साथ आए शिष्टमंडल को मिले उदार अतिथि सत्कार से मैं अभिभूत हूं।

आज की शाम यहां पधारने के लिए मैं आप सभी का अत्यंत आभारी हूं। मैं आपके व्यावसायिक एवं निजी जीवन में पूर्ण सफलता की कामना करता हूं।